पाठ 17 रूप बदलती मिट्टी

शीला ने अपने गुरुजी को बताया कि बरसात के दिनों में हम कच्ची गीली मिट्टी से थप–थप कर घर–घर बनाना खेलते हैं। मिट्टी से खिलौने भी बनाते हैं, पर वे टूट जाते हैं। गुरुजी ने बताया कि अपने यहाँ रामू काका मिट्टी के बर्तन व खिलौने बनाते हैं। कल हम सब रामू काका के घर चलेंगे और मिट्टी से बर्तन व खिलौने बनाने की कला को विस्तार से समझेंगे। सब बच्चे बहुत खुश हो जाते हैं।

चित्र 17.1 मिट्टी से खेलते बच्चे

गुरुजी के साथ सभी बच्चे रामू काका के घर पहुँचते हैं। सभी बच्चे रामू काका को नमस्ते करते हैं। गुरुजी रामू काका से मिट्टी के बर्तन बनाने के बारे में पूछते हैं। रामू काका ने खुश होकर सब बच्चों को अपने चाक के पास ही बैठा लिया और मिट्टी से बर्तन बनाने की पूरी विधि बतलाने लगे।

चित्र 17.2 मिट्टी छानते हुए रामू काका

रामू काका – सुनो बेटा, हम बर्तन या खिलौने बनाने के लिए चिकनी मिट्टी लाते हैं। उसे छानकर कचरा आदि साफ

चित्र 17.3 मिट्‌टी गूँथते हुए रामू काका

कर उसे गूँथते हैं। दूसरे दिन उसे अच्छी तरह गूँथकर बर्तन बनाने लायक तैयार कर लेते हैं।

कमला – काका, अब मिट्‌टी तो तैयार हो गई। ये गोल–गोल पहिया क्या काम आता है ?

रामू काका – हाँ बेटी, मैंने इसीलिए आपको इसके पास बैठाया है। ये गोल– गोल पहिया चाक कहलाता है। इस पर तैयार मिट्‌टी को रखकर चाक को घुमाते हैं। फिर अपने हाथों से मिट्‌टी को मनचाहा आकार देते हैं।

नेहा – काका, क्या यह बर्तन तैयार हो गया है?

चित्र 17.4 चाक पर बर्तन बनाते हुए रामू काका

रामू काका – बेटी अब इन बर्तनों को सुखाते हैं। फिर मजबूती के लिए इन्हें भट्‌टी में पकाते हैं। आकर्षक रंगो से सजाकर इन्हें बेचने के लिए तैयार करते हैं।

सोचिए और बताइए

- मिट्टी के मटके में रखा पानी ठंडा क्यों होता है ?
- मिट्टी के मटके को नीचे से हाथ लगाने पर गीला क्यों लगता है?

निशा – काका, क्या खिलौनों को भी पकाया जाता है?

रामू काका – बेटी, ज्यादातर खिलौनों को कई दिन तक सुखाकर उन पर रंग कर देते हैं। कई तरह के खिलौनों को पकाया भी जाता है।

गुरुजी रामू काका को धन्यवाद देते हैं और सभी विद्यालय आ जाते हैं।

सोचिए और लिखिए

- आपके घर में कौन –कौनसे मिट्टी के बर्तन काम में लेते हैं?

  ____

  ____

- चाक और भट्टी का उपयोग किए बिना बर्तन बनाये जा सकते हैं?

  ____

- निशा ने घर जाकर मिट्टी के कुछ बर्तन बनाए और धूप में सुखा दिए। आपको क्या लगता है, ये बर्तन मजबूत होंगे ?

  ____

पता कीजिए और लिखिए

आपने मिट्टी के बने हुए कौन–कौनसे बर्तन देखे हैं? वे क्या–क्या काम आते हैं ? तालिका में लिखिए।

मिट्टी के बर्तन	उपयोग

रामू काका मिट्टी के बर्तन बनाते हैं, जिसे बेचकर वे अपने घर का खर्चा चलाते हैं। आपके पड़ोस में रहने वाले लोग भी कुछ काम धंधे करते होंगे। नीचे काम–धंधों के चित्रों को ध्यान से देखिए।

चित्र 17.5 विभिन्न काम–धंधे

देखिए और लिखिए

- चित्र में कौन–कौन से काम धंधे दिखाई दे रहे हैं?

  ____

  ____

  ____

- आपने अपने आस–पास इनमें से कौन–कौन से काम धंधे होते हुए देखे हैं?

____

____

- आपने जिन काम धंधों को होते हुए देखा है, उनके नाम व उन काम धंधों में काम आने वाली चीजों के नाम तालिका में लिखिए।

क्रम सं.	काम धंधे	काम आने वाली चीजें
1.	पंचर बनाने की दुकान	पंप, पंचर वाली ट्यूब, पानी, पाना, ट्यूब
2.		
3.		
4.		
5.		

यह भी कीजिए

- कक्षा के सभी बच्चे मिलकर मिट्टी के बर्तन/खिलौने बनाइए और

उन्हें अपनी इच्छानुसार सजाइए।

- नीचे गमले व मटके का चित्र दिया गया है, उसमें रंग भरिए।

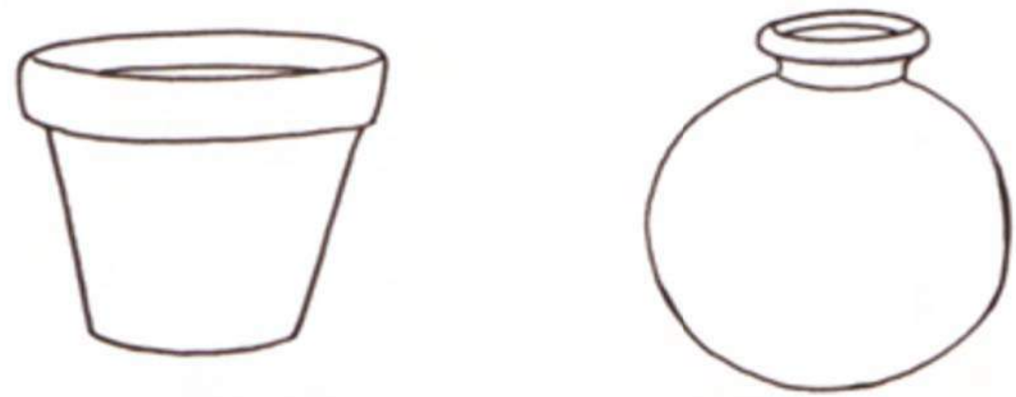

पता कीजिए व लिखिए

अपने आस–पास किसी एक व्यवसायी, जैसे दर्जी, सुथार, लुहार से मिलकर उनके बारे में जानकारियाँ लें, जैसे– वे क्या बनाते हैं, उनको कौन–कौन सहयोग देता है,बनी हुई सामग्री को कहाँ बेचते हैं, और उन्हें किन–किन कठिनाइयों का सामना करना पड़ता है?

हमने सीखा

- सभी व्यक्तियों के अपने अलग–अलग कार्य होते हैं, जिनके द्‌वारा वे समाज को अपनी सेवाएँ देते हैं।
- मिट्‌टी के बर्तनों में पानी ठंडा रहता है।
- मिट्‌टी के बर्तन चिकनी मिट्‌टी गूँथकर चाक पर बनाए जाते हैं।

देश की माटी, देश का जल
हवा देश की, देश के फल
सरस बने प्रभु सरस बने।